**प्रेस विज्ञप्ति**

# होमाई ने शराब की बोतलों पर होलोग्राम का प्रयोग करने की झारखंड सरकार की पहल का स्वागत किया

**नई दिल्ली, 20 जनवरी, 2012:** होलोग्राफिक टेक्नोलॉजी को समझने, स्वीकृति प्रदान करने, प्रयोग करने और उसके व्यापक अनुप्रयोग को प्रोत्साहित करने की दिशा में कार्य करने वाली एक गैर–लाभकारी संस्था, होलोग्राम मैन्युफैक्चरर्स ऑफ इंडिया (होमाई) ने ''शराब की बोतलों पर होलोग्राम का प्रयोग करने के उत्पाद शुल्क एवं निषेध विभाग, झारखंड सरकार के निर्णय'' का स्वागत किया है।

विभाग ने हाल ही में शराब की बोतलों पर पोलिएस्टर सिक्यूरिटी होलोग्राम उपलब्ध कराने के लिए प्रतिष्ठित होलोग्राम निर्माताओं से एक निविदा आमंत्रित की है।

इस अवसर पर, **श्री प्रदीप श्रॉफ, अध्यक्ष, होमाई** ने कहा, ''झारखंड देश का ऐसा 18वां राज्य बन जाएगा जो शीघ्र ही सभी शराब कम्पनियों को नकलीकरण से रोकथाम के लिए, अपनी बोतलों पर होलोग्राम का प्रयोग करना आवश्यक बना देगा। यह झारखंड सरकार द्वारा की गई एक शानदार पहल है, क्योंकि इससे झारखंड राज्य का उत्पाद शुल्क बढ़ने के साथ–साथ अवैध शराब से होने वाले हादसों को कम करने में मदद मिलेगी। पश्चिम बंगाल में हाल ही में हुई अवैध शराब त्रासदी इसका नवीनतम उदारहण है।''

**उन्होने आगे कहा**, ''हम केंद्र व राज्य सरकारों से नकलीकरण के विरूद्ध संघर्ष करने और उपभोक्ताओं और राष्ट्रीय हित की सुरक्षा का आग्रह करते हैं। यह वैश्विक नकलरोधी संघर्ष में पहले से ही प्रख्यात सुरक्षा विशेषता के रूप में होलोग्राम की भूमिका की पुनर्पुष्टि करता है।''

भारत में 17 से अधिक राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश शराब की बोतलों पर पहले से ही होलोग्राम का प्रयोग कर रहे हैं। ***उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, पांडिचेरी, दिल्ली, छत्तीसगढ़,*** आदि राज्यों में होलोग्राम के अनिवार्य प्रयोग से न केवल अवैध शराब से होने वाले हादसे कम हुए हैं बल्कि उत्पाद शुल्क राजस्व संग्रह में भी ***25–30 प्रतिशत*** की वृद्धि हुई है।

उदाहरण के लिए, होलोग्राम का प्रयोग करने वाले राज्य अधिक राजस्व अर्जित कर रहे हैं। 2010–11 में तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश द्वारा अर्जित उत्पाद शुल्क क्रमशः 8115 करोड़ रू. और 6725 करोड़ रू. था, ***जबकि समान क्षमता और जनसंख्या वाले राज्यों जैसे महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य केवल 5800 करोड़ रू. और 1770 करोड़ रू. ही अर्जित कर पाए जो इनसे काफी पीछे है। इन राज्यों द्वारा होलोग्राम के उपयोग से निश्चित रूप से उत्पाद शुल्क राजस्व संग्रहण में वृद्धि होगी जैसा कि अन्य प्रगतिशील राज्यों ने चुना है।***

होलोग्राम लेबल अत्यधिक वहनीय हैं और ये उत्पाद शुल्क राजस्व बढ़ाने में मदद कर सकते हैं और भारत में नकलीकरण की रोकथाम कर सकते हैं। और अधिक जानकारी के लिए www.homai.org पर जाएं।

## परिशिष्ट 1: कुछ प्रमुख राज्यों की तुलना

**होलोग्राम का प्रयोग करने वाले राज्य**

| राज्य का नाम | 2004-05 (करोड़ रू.) | 2010-09 (करोड़ रू.) | पिछले 6 वर्षों में टर्नओवर में वृद्धि | राज्य की जनसंख्या करोड़ में जनगणना 2011 |
|---|---|---|---|---|
| तमिलनाडु | 2549 | 8115.90 | 5566.90 | 7.21 |
| उत्तर प्रदेश | 2686.89 | 6725.53 | 4038.64 | 19.95 |
| मध्य प्रदेश | 1192.36 | 3604.20 | 2411.84 | 7.25 |
| दिल्ली | 843.68 | 2027.00 | 1183.32 | 1.67 |

**किसी तरह की टेक्नालॉजी का प्रयोग न करने वाले राज्य**

| राज्य का नाम | 2004-05 (करोड़ रू.) | 2010-09 (करोड़ रू.) | पिछले 6 वर्षों में टर्नओवर में वृद्धि | राज्य की जनसंख्या करोड़ में जनगणना 2011 |
|---|---|---|---|---|
| गोवा | 55.34 | 129.99 | 74.65 | 0.14 |
| जम्मू एवं काश्मीर | 414.8 | 695.39 | 280.59 | 1.25 |
| पश्चिम बंगाल | 671.56 | 1769.74 | 1098.18 | 9.13 |
| बिहार | 272.47 | 1542.25 | 1269.78 | 10.3 |
| महाराष्ट्र | 2218.87 | 5800.00 | 3581.13 | 11.23 |

## 2) पहले से ही और हाल ही में होलोग्राम का प्रयोग करने वाले सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की सूची

| | |
|---|---|
| तमिलनाडु | दिल्ली |
| छत्तीसगढ़ | पांडिचेरी |
| मध्य प्रदेश | उत्तराखंड |
| राजस्थान | पंजाब |
| उड़ीसा | हिमाचल प्रदेश |
| उत्तर प्रदेश | हरियाणा |
| सिक्किम | कर्नाटक |
| मेघालय | केरल |
| आंध्र प्रदेश | |

**स्त्रोतः** राज्य उत्पाद शुल्क विभाग, सीएजी आडिट रिपोर्ट्स, जनगणना आयोग, भारत के महापंजीयक, भारतीय रिजर्व बैंक, प्रकाशन, राजस्व, राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों की राजस्व रसीद तथा होलोग्राम मैन्युफैक्चरर्स ऑफ इंडिया`।

**होमाई (HOMAI) के विषय में**

होमाई एक गैर–लाभकारी संगठन है जो होलोग्राफिक टेक्नोलॉजी को समझने, स्वीकृति प्रदान करने, प्रयोग करने और उसके व्यापक अनुप्रयोग को प्रोत्साहित करने की दिशा में कार्य कर रहा है। 1998 में स्थापित, इस संगठन में नकलरोध, ब्रांड सुरक्षा, पैकेजिंग, ग्राफिक्स और अन्य विश्व भर में वाणिजियक अनुप्रयोगों के लिए भारत में होलोग्राम्स के अग्रणी निर्माता और तथा परिवर्तक शामिल हैं। आज, होमाई की सदस्य कम्पनियां भारत में 10,000 से अधिक ब्रांडों की सुरक्षा के लिए विभिन्न समाधान प्रदान कर रही हैं और राज्य सरकारों को राजस्व अर्जित करने में मदद कर रही हैं और उपभोक्ताओं को अधिकृत समाधान प्रदान कर रही हैं।

**होलोग्राम्स और ओवीडी'ज़**

होलोग्राम्स दस्तावेजों, लेबलों, सील्स, टैग्स, कार्डों और पैकेजिंग के नकलीकरण की रोकथाम में शक्तिशाली और सबसे अधिक प्रभावी उपाय बन चुके हैं और तेज़ी से बढ़ते हुए वैश्विक सुरक्षा उद्योग का हिस्सा हैं। होलोग्राम प्रकट, गुप्त और फोरेंसिक विशेषताओं की एक व्यापक विधिता प्रदान करता है जिनकी अपेक्षाकृत कम लागत के वाणिज्यिक उपयोगों जैसे पैकेजिंग, टैग्स, लेबलों से ले कर करेंसी की अधिक सुरक्षा विधि तक में सुरक्षा आवश्यकताओं के विभिन्न स्तरों से तुलना की जा सकती है। आज, विश्व भर में लगभग 250 बैंक नोटों पर 90 से अधिक जारीकर्ता प्राधिकरण होलोग्राम्स का उपयोग कर रही हैं। इनका उपयोग कई मुद्राओं जैसे यूरो, कनाडियन डॉलर, ब्राजीलियन रीयल, ब्रिटिश पौंड, जापानी येन, दक्षिण कोरियाई वॉन, हांगकांग डॉलर आदि में किया जाता है।

भारत में, होलोग्राम्स का प्रयोग एक्साइज़ लेबलों, परिचय पत्रों, फार्मा इंडस्ट्री और एफएमसीजी में किया जाता है।

**और अधिक जानकारी के लिए, कृपया निःसंकोच सम्पर्क करें:**

Chander Shekhar Jeena , Secretary – HOMAI. 21-GF, Devika Tower 6,Nehru Place,
New Delhi 110019, Telfax: +91.11.41617369, Cell:+91-9818281116,
Email: info@homai.org Website: www.homai.org